is expected to be about 85.22 lakh bales including 3.5 lakh bales for export. The gap of over 4.0 lakh bales between the targeted production and requirement is expected to be filled with imports of foreign cotton, which will be mostly extra long staple cotton.

IMPORT OF NON-FERROUS METALS

*27. SHRI B. N. MANDAL : Will the Minister of STEEL, MINES AND METALS be pleased to state :

(a) whether it is a fact that import of non-ferrous metals is expected to go up to the tune of Rs. 500 crores in 1973-74 ;

(b) the import value of these metals in 1967-68 ; and

(c) the plans which Government have to make the country self-sufficient in copper, zinc and lead and the stages in which the plans are proposed to be implemented ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF STEEL, MINES AND METALS (SHRI P. C. SETHI) : (a) The requirements of non-ferrous metals of different sectors of industry may go up to Rs. 500 crores in 1973-74 ; but the actual imports will depend upon the availability of foreign exchange.

(b) The imports of non-ferrous metals and their alloys during 1967-68 were of the value of Rs. 88.73 crores.

(c) A statement indicating in brief the plans for the development of copper, zinc and lead is laid on the Table of the House. [*See* Appendix LXVI, Annexure No. 1.]

रेल दुर्घटनाएं

*28. **श्री राम सहाय** : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गत तीन मास में कितनी छोटीबड़ी दुर्घटनायें किस-किस क्षेत्रीय रेलवे पर हुईं;

(ख) 5 अक्तुबर, 1968 को हावड़ा जानेवाली तूफ़ान एक्सप्रेस की दुर्घटना किस कारण हुई;

(ग) 5 अक्तुबर 1968 के लगभग मध्य रेलवे के जखोरा स्टेशन के नज़दीक हुई दुर्घटना में पंजाब मेल के फ़ुटबोर्ड पर यात्रा कर रहे कितने व्यक्ति मरे और कितने घायल व्यक्तियों का अभी इलाज चल रहा है; और

(घ) दुर्घटना का कारण क्या था?

†[TRAIN ACCIDENTS

*28. SHRI RAM SAHAI : Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state :

(a) how many major accidents took place during the last three months on each of the zonal Railways ;

(b) the causes of the accident involving the Toofan Express bound for Howrah on the 5th October, 1968 ;

(c) the number of persons who died while travelling on the footboard of the Punjab Mail as a result of an accident near Jakhaura station on the Central Railway around the 5th October, 1968, and the number of injured persons still undergoing treatment ; and

(d) the causes of the accident ?]

रेल मंत्री (श्री सी० एम० पुनाचा) : (क) सम्भवत : माननीय सदस्य का आशय उन दुर्घटनाओं से है जिनकी विधि कि जांच रेल संरक्षा आयोग द्वारा की जाती है । 1-8-68 से 31-10-68 तक भारतीय रेलों में ऐसी पांच दुर्घटनाए हुई, दो-दो उत्तर और मध्य रेलों में तथा एक पूर्व रेलवे में ।

(ख) प्रत्यक्षत: दुर्घटना का कारण यह था कि गाड़ी के इंजन से पांचवें डिब्बे के बायीं और के अगले रोलर बियरिंग घुरा बाक्स में रोलर बियरिंग जाम हो गया था ।

(ग) और (घ) नं० 5 डाउन पंजाब मेल में यात्रा करने वाले 3 व्यक्तियों को मृत्यु हो गयी और 13 व्यक्तियों को चोटें आयीं, जिसमें से 5 व्यक्ति अभी अस्पताल में हैं । रेल संरक्षा के अपर आयुक्त के अन्तिम निष्कर्ष के अनुसार, सिगनल के खम्भे की सीढ़ी वास्तविक चल आयामों का उल्लंघन कर रही थी । उस सीढ़ी से टकरा जाने के कारण उपर्युक्त व्यक्ति हताहत हुए । नं 5 डाउन पंजाब मेल से कुछ ही समय पहले जाने

†[ ] English translation.